



**Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University**  
(Central University)

**B-4 Qutub Institutional Area, New Delhi- 110016**

**संस्कृतमाध्यमेन पाठ्यक्रमाः**

(Syllabi in Sanskrit Medium)

**शास्त्री (बी.ए.) कार्यक्रम**

(स्नातक स्तरीय)

**Shastri (B.A.)**

**Programme**

(UG Level)

सत्यापित  
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)

Assistant Registrar (Academic)

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016



**Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University**  
(Central University)

B-4 Qutub Institutional Area, New Delhi- 110016

**नव्यव्याकरणपाठ्यक्रमः**

**शास्त्री (बी.ए.)**

**कार्यक्रमः**

**(स्नातकस्तरीयः)**

**Shastri (B.A.)**

वेदवेदाङ्गपीठम्

Programme Code/SH (300)

Shastri 3 Year/ 4 Years Programme as Per CCF Under Graduate Programme

Subject Code: Navya Vyakara (NV) – 03

Sr. No.	Subject Code	Title of the Course	Per Unit Credit	Total Credit	Total Marks
		शब्दशास्त्रीयसञ्ज्ञापरिभाषास्वरूपप्रबोधनम् सन्धिस्वरूपप्रबोधनञ्च			80+20 =100
1st Year	MC-1	<p>1. व्याकरणम् -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• व्याकरणसाहित्यस्य संक्षिप्तपरिचयः</li> <li>• आधुनिकयुगे व्याकरणस्योपयोगः</li> <li>• अक्षरसमाम्नायस्य परिज्ञानम्</li> </ul> <p>2. सञ्ज्ञापरिभाषाप्रकरणम् -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• संज्ञास्वरूपम्,</li> <li>• परिभाषास्वरूपम्</li> <li>• संज्ञासूत्रप्रबोधनम्</li> <li>• परिभाषासूत्रप्रबोधनम्</li> </ul> <p>3. अक्सन्धिप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अक्सन्धिप्रबोधनम् - यण्-गुण-दीर्घ-अयादि-वृद्धि-पूर्वरूप-पररूपसन्धिविधायकसूत्रपरिज्ञानम्</li> <li>• ससूत्रं प्रकृतिभावसन्धिप्रबोधनम्</li> </ul> <p>4. हल्विसर्गस्वादिसन्धिप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• श्रुत्व-घृत्व- अनुनासिक-छत्व- जश्त्वादीनां परिज्ञानम्</li> <li>• उत्त्व-लोप-सत्व-रुत्वादिविधीनां प्रबोधः</li> </ul> <p>5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-</p>	1	4	20
	MC-2	त्रिषु लिङ्गेषु शब्दस्वरूपसिद्धिप्रक्रियाप्रबोधनम् अव्ययानां स्वरूपप्रबोधनञ्च	1	4	20

सत्यापित  
VERIFIED


कुलसचिव (शैक्षणिक)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016



		<p>1. अजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अकारान्त-आकारान्तशब्दरूपसिद्धिविवेकः</li> <li>• इकारान्त-ईकारान्तशब्दरूपसिद्धिप्रबोधः</li> <li>• उकारान्त-ऊकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• ऋकारान्त-ॠकारान्त- लृकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• एकारान्त-ओकारान्त-ऐकारान्त- औकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> </ul> <p>2. अजन्तस्त्रीलिङ्ग-नपुंसकलिङ्गप्रकरणम्-</p> <p>(क) अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• आकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• इकारान्त-ईकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिप्रबोधः</li> <li>• उकारान्त-ऊकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• ऋकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• एकारान्त-ओकारान्त-ऐकारान्त- औकारान्तशब्दानां प्रयोगकौशलम्</li> </ul> <p>(ख) अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अकारान्त-इकारान्त-ईकारान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• उकारान्त ऋकारान्त-एकारान्त-ओकारान्त- ऐकारान्त-औकारान्त रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> </ul> <p>3. हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• हान्त- वान्त-रेफान्त-लान्त-मान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• णान्त-नान्त-धान्त-जान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्दान्त-थान्त-चान्त-तान्त- पान्त-शान्त-षान्त-सान्तशब्दानां रूपसिद्धिप्रबोधः</li> </ul> <p>4. हलन्तस्त्री-नपुंसकलिङ्गप्रकरणम्-</p> <p>(क) हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• हान्त-वान्त-रेफान्त-मान्त-जान्त-दान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> </ul>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>	<p>20</p> <p>20</p> <p>20</p>
--	--	---	----------------------------	-------------------------------

सत्यापित  
VERIFIED

  
 सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
 Assistant Registrar (Academic)  
 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
 Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
 बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
 B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

  
 कुलसचिव / Registrar  
 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
 Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
 बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
 B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

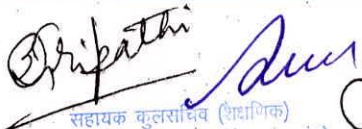
		<ul style="list-style-type: none"> <li>• चान्त-पान्त-शान्त-षान्त-सान्त-शब्दानां रूपसिद्धिः परिज्ञानकौशलम्</li> <li>(ख) हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्- <ul style="list-style-type: none"> <li>• हान्त-वान्त-रेफान्त-नान्त-जान्त-दान्तशब्दानां रूपसिद्धिपरिज्ञानम्</li> <li>• डान्त-चान्त-तान्त-पान्त-सान्तशब्दानां रूपसिद्धिप्रबोधः</li> </ul> </li> <li>(ग) अव्ययप्रकरणम्- <ul style="list-style-type: none"> <li>• अव्ययलक्षणं तत्परिज्ञानं स्वरादि-चादीनामव्ययानां प्रयोगकौशलम्</li> </ul> </li> </ul> <p>5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-</p>				20
2	MC-3	<p>टाबादिस्त्रीप्रत्ययानां कर्त्रादिकारकाणाञ्च परिज्ञानम्</p> <p>1. स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• टाप् -डाप्-चाप् प्रत्ययानां सोदाहरणं विधिपरिज्ञानम्</li> <li>• डीप्-डीष्-डीन् प्रत्ययानां प्रबोधः</li> <li>• ऊङ्-ति प्रत्ययानां प्रबोधः</li> </ul> <p>2. कारकप्रकरणम्- प्रथमातः तृतीयाविभक्तिपर्यन्तम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कारकाणां सामान्यपरिचयः</li> <li>• प्रथमाविभक्तेः परिज्ञानम्</li> <li>• द्वितीयाविभक्तिविधायकसूत्राणां सोदाहरणं प्रबोधनम्</li> <li>• तृतीयाविभक्तिविधायकसूत्राणां सोदाहरणं परिज्ञानम्</li> </ul> <p>3. उपपदविभक्तीनां परिचयः, तदनुप्रयोगः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• उपपदविभक्तीनां परिचयः, तदनुप्रयोगः</li> <li>• चतुर्थीविभक्तिनिरूपणं तत्प्रबोधः</li> <li>• पञ्चमीविभक्तिप्रबोधः</li> </ul> <p>4. षष्ठीसप्तमीविभक्ती -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• सामान्यषष्ठीविभक्तेः प्रबोधः</li> <li>• विशेषार्थे षष्ठीविभक्तिपरिज्ञानम्</li> <li>• सामान्यसप्तमीविभक्तेः विधिपरिज्ञानम्</li> </ul>	1	4	20	20
			1		20	
			1		20	
			1		20	
						20

*Prigathi*

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110013  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016



		<ul style="list-style-type: none"> <li>विशेषार्थे सप्तमीविभक्तेः विधानपरिज्ञानम्</li> </ul>			
		<p>5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-</p> <p>चतुर्विधसामासिकशब्दस्वरूपप्रविधिपरिज्ञानम्</p>		4	
MC-4		<p>1. अव्ययीभावसमासतत्पुरुषसमासयोः प्रबोधः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>समासस्वरूपपरिज्ञानम्।</li> <li>विभक्त्याद्यर्थकाव्ययीभावसमासस्वरूपपरिज्ञानम्।</li> <li>अन्यपदार्थकाव्ययीभावसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>समासान्तप्रत्ययघटिताव्ययीभावसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>द्वितीयादितत्पुरुषसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>समानाधिकरणतत्पुरुषसमासप्रबोधनम्।</li> <li>उपपदतत्पुरुषसमासप्रबोधनम्।</li> <li>प्रादितत्पुरुषसमासप्रबोधनम्।</li> <li>नजादितत्पुरुषसमासप्रबोधनम्।</li> </ul>	1		20
		<p>2. बहुव्रीहिद्वन्द्वकशेषानां प्रबोधः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>समानाधिकरणबहुव्रीहिसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>व्यधिकरणबहुव्रीहिसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>पुंबद्धावादिविधिघटितबहुव्रीहिसमासप्रबोधनम्।</li> <li>सङ्ख्यादिपूर्वकबहुव्रीहिसमासप्रबोधनम्।</li> <li>चार्थनिरूपणम्।</li> <li>द्वन्द्वसमाससामान्यपरिज्ञानम्।</li> <li>देवतादिपदघटितद्वन्द्वसमासपरिज्ञानम्।</li> <li>एकशेषपरिज्ञानम्।</li> </ul>	1		20
		<p>3. सर्वसमासशेष-समासान्तयोः प्रबोधः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>समासभेदपरिज्ञानम्।</li> <li>अजादिसमासान्तप्रत्ययप्रबोधनम्।</li> <li>अचतुरादिनिपातितशब्दानां परिज्ञानम्।</li> </ul>	1		20
		<p>4. अलुक्समास-समासाश्रयविध्योः प्रबोधः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>पञ्चम्यादिविभक्त्यलुक्समासपरिज्ञानम्।</li> <li>समस्तपदेषु ह्रस्वादिविधिपरिज्ञानम्।</li> <li>समस्तपदेषु विविधादेशपरिज्ञानम्।</li> <li>समस्तपदेषु सम्प्रसारणादिपरिज्ञानम्।</li> </ul>	1		20

  
 सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
 Assistant Registrar (Academic)  
 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
 Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
 बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
 B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

			5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-			
2nd Year	3	MC-5	अपत्यार्थक-चातुरार्थिकशैषिकादितद्धितप्रत्ययपरिज्ञानम् 1.अपत्याधिकार-चातुरार्थिकप्रत्ययपरिज्ञानम्। 2.शैषिकपरिज्ञानम् 3.प्राग्दीव्यतीयठगधिकारपरिज्ञानम् 4. प्राग्घितीयछयद्विधि-आर्हीयप्रत्ययपरिज्ञानम् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20 20
		MC-6	ठञ्कालाधिकार-पाञ्चमिकमतुबर्थीयस्वार्थाकादि- तद्धितप्रयोगपरिज्ञानम् 1.ठञ्जधिकारनञ्जञधिकारप्रक्रियाविज्ञानम् 2. मत्वर्थीयप्राग्दिशीयप्रत्ययपरिज्ञानम् 3. प्राग्वीयप्रक्रियापरिज्ञानम् 4. तद्राजप्रकरण-द्विरुक्तप्रक्रियापरिज्ञानम् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20 20
		MC-7	प्रौढमनोरमाग्रन्थानुसारं सञ्ज्ञापरिभाषा- सन्धिसूत्राणां शब्दशास्त्रीयदिग्दर्शनम् 1.मनोरमादिशा सञ्ज्ञापरिभाषाप्रकरणस्वरूपविचारः 2. मनोरमादिशा अक्सन्धिविधायकसूत्रविचारः 3. मनोरमादिशा हल्सन्धि- विसर्गसन्धिविधायकसूत्रविचारः 4. अर्थवद्....., कृतद्धितसमासाश्च, सरूपाणामेकशेषविभक्तौ इति सूत्रत्रयविचारः 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20 20
	4	MC-8	भ्वादिगणीयधातुनां दशसु लकारेषु शब्दस्वरूपसिद्धिप्रक्रियाप्रबोधनम् 1.भू तथा एध् धातुतः क्षमूष् सहन इत्यन्तधातोः रूपसिद्धिपरिज्ञानम् 2.कमु कान्तौ इति धातोरर्ह पूजायामित्यन्तधातोः रूपसिद्धिपरिज्ञानम् 3. द्युत धातोः रमु क्रीडायामित्यन्तधातोस्तथा षद्लृ धातोः गुपु गोपन इत्यन्तधातोः रूपसिद्धिपरिज्ञानम् 4. मान पूजायामिति धातोः दुओश्चि इत्यन्तधातोः रूपसिद्धिपरिज्ञानम्	1 1 1 1	4	20 20 20 20

*Dr. P. K. Singh*

सहायक कुलसोपधेव (विश्वविद्यालय)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110013  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

*Dr. P. K. Singh*



			5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-			20
		MC-9	अदादिगणाच्चुरादिगणान्तं यावत्पठितधातूनां दशसु लकारेषु शब्दसिद्धिपरिज्ञानम् 1. अदादिगणीयधातूनां जुहोत्यादिदिवादिगणीयधातूनाञ्च रूपसिद्धिपरिज्ञानम् 2. स्वादितुदादिरुधादितनादिधातूनां रूपसिद्धिपरिज्ञानम् 3. क्र्यादिगणीयधातुरूपाणां सिद्धिपरिज्ञानम् 4. चुरादिगणीयधातुरूपाणां सिद्धिपरिज्ञानम् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20
		MC-10	प्रौढमनोरमानुसारं कारकसूत्रार्थपरिज्ञानम् 1. प्रथमाविधायकसूत्रविचारः 2. कर्मसञ्ज्ञकानां द्वितीयाविधायकानाञ्च सूत्राणां विचारः 3. करणसम्प्रदानापादानकारकाणां तृतीयचतुर्थीपञ्चमीविधायकसूत्राणाञ्च विचारः 4. सम्बन्धाधिकरणयोः षष्ठीसप्तमीविधायकसूत्राणाञ्च विचारः 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20
3 <sup>rd</sup> Year	5	MC-11	ण्यन्तसन्नन्तयङ्गुङ्गुलुगन्तनामधातूनां शब्दसिद्धिप्रक्रियाप्रबोधनं लकारार्थपरिज्ञानञ्च 1. ण्यन्तसन्नन्तप्रक्रियापरिज्ञानम् 2. यङ्-यङ्गुलुगन्तप्रक्रियावबोधः 3. नामधातुकण्ड्वादिप्रत्ययमालाप्रक्रियायाः परिज्ञानम्, आत्मनेपदपरस्मैपद-प्रक्रियायाः परिशीलनञ्च 4. भावकर्मकर्मकर्तृप्रक्रियाविमर्शः, लकारार्थविमर्शश्च 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20
		MC-12	कृदन्तशब्दस्वरूपपरिज्ञानम् 1. कृत्यप्रक्रियाविमर्शः 2. 'ण्वुल्लृचौ' इत्यतः 'अन्त्येष्वपि दृश्यते' इति यावत् 3. 'क्तवत् निष्ठा' इत्यतः 'कर्तरि चर्षिदेवतयोः' इत्यन्तम् 4. 'उणादि बहुलम्' इत्यतः 'अन्वच्यानुलोम्ये' इति यावत् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20

*Prifathi*

*Sw D R D W*



	MC-13	महाभाष्यानुसारं गौणमुख्यप्रयोजनानां शब्दस्वरूपादीनां प्रत्याहाराणां च परिशीलनम् 1.शब्दलक्षणं,शब्दानुशासनस्य प्रयोजनञ्च 2.शब्दार्थसम्बन्धः, धर्मनियमः व्याकरणपदार्थश्च 3.'अइउण्' इत्यारभ्य 'ऐऔच्'पर्यन्तम् 4.'हयवरट्' इत्यारभ्य पादान्तम् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20 20
6	MC-14	महाभाष्यानुसारं सञ्ज्ञापरिभाषासूत्रार्थपरिज्ञानम् 1.वृद्धिरादैच्, इको गुणवृद्धि इत्यनयोः सूत्रयोरनुशीलनम् 2.'न धातुलोप आर्धधातुके' इत्यारभ्य दीधीवेवीटाम् इति सूत्राणां परिशीलनम् 3.'अइउण्' इत्यारभ्य 'ऐऔच्'पर्यन्तम् 4.'हलोऽनन्तरा संयोगे' इत्यारभ्य पादान्तम् 5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्-	1 1 1 1	4	20 20 20 20 20
	MC-15	1.स्वरवैदिकी प्रक्रिया <ul style="list-style-type: none"><li>उदात्तादिसंज्ञाप्रबोधनम्</li><li>प्रकृतिस्वरप्रबोधनम्</li><li>प्रत्ययस्वरप्रबोधनम्</li><li>समासस्वरप्रबोधनम्</li><li>सामान्यस्वरपरिज्ञानम्</li><li>स्वरितभेदपरिज्ञानम्</li><li>उदात्तादिस्वराणां चिन्हविशेषपरिज्ञानम्</li></ul> 2.वैदिकी प्रक्रिया- <ul style="list-style-type: none"><li>सुप्-प्रत्ययेषु विविधादेशपरिज्ञानम्।</li><li>व्यत्ययकार्यपरिज्ञानम्।</li><li>वैदिकशब्देष्वागमपरिज्ञानम्।</li><li>वैदिकशब्देषु विविधादेशपरिज्ञानम्।</li></ul> 3. शाब्दबोधस्वरूपप्रबोधनम्- <ul style="list-style-type: none"><li>वैयाकरणाभिमतधात्वर्थविचारः</li><li>वैयाकरणाभिमततिङ्-व्यतिचकारः</li></ul>	1 1 1	4	20 20 20

*Prithvi*

*Devi*

*Prithvi*

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110013  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

		<ul style="list-style-type: none"> <li>• कृत्प्रत्ययार्थविचारः</li> <li>• शाब्दबोधदृष्ट्याऽन्वयबोधप्रकारः</li> <li>• नव्य- प्राचीनव्याकरणतन्त्राभिमतशाब्दबोधस्वरूपम्</li> <li>• शाब्दबोधदिशा नैयायिकमीमांसकमतपरिज्ञानम्</li> </ul>				
		<p>4. व्याकरणदर्शनस्वरूपप्रबोधनम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• स्फोटपरिचयः</li> <li>• शब्दस्वरूपप्रबोधनम्</li> <li>• शब्दार्थसम्बन्धविचारः</li> <li>• धात्वर्थपरिचयः</li> <li>• व्याकरणग्रन्थपरिचयः</li> <li>• मीमांसादृष्ट्याऽङ्गत्वविचारः</li> </ul> <p>5. आन्तरिकमूल्याङ्कनम्</p>	1		20	
					20	
		Total Credits 60				
4th Year	7	MC-16	<p>शोधप्रविधिः -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अनुसन्धानशब्दविचारः।</li> <li>• व्याकरणक्षेत्रेऽनुसन्धानस्य आवश्यकता।</li> <li>• आलोचना-परिशीलन-विमर्श-तुलना इत्यादिपदानां निर्वचनम्।</li> <li>• अनुसन्धानेन सह एतेषां (आलोचनादीनाम्) सम्बन्धविवेचनम्।</li> <li>• व्याकरणवाङ्मयेऽनुसन्धानस्य नूतनक्षेत्राणि।</li> </ul>	1	4	25
		MC-17	<p>वाङ्मयशोधक्षेत्रम्-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अनुसन्धाने शोधसर्वेक्षणस्य प्रक्रिया।</li> <li>• शोधसर्वेक्षणस्य साधनानि।</li> <li>• शोधसर्वेक्षणस्य उद्देश्यं महत्त्वञ्च।</li> <li>• अत्रान्तरशास्त्रेषु व्याकरणशास्त्रीयसन्दर्भाणां</li> </ul>	1	4	25

सत्यापित  
VERIFIED

*Smr*

*Prifathi*

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

*Devi*

*CRW*

*8*

कुलसचिव / Registrar  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016



		सर्वेक्षणम्। • व्याकरणशास्त्रेऽवान्तरशास्त्रीयविषयाणां सर्वेक्षणम्।			
	MC-18	पाण्डुलिपिविज्ञानपरिचयः पाठालोचनञ्च - • भारतवर्षे लेखनकलाया उद्भवो विकासश्च। • पाण्डुलिपिग्रन्थानां वैविध्यम्। • पाण्डुलिपिविज्ञानस्य स्वरूपं पाण्डुग्रन्थानां शोधनप्रकाराः। • व्याकरणशास्त्रीयपाण्डुग्रन्थानां सर्वेक्षणम्। • पाण्डुलिपिसंरक्षणं तस्योपायाश्च।	1	4	25
8	MC-19	शोधपत्रप्रस्तुतिः - • शोधपत्रशीर्षकनिर्धारणम्। • शोधपत्रोपयोगिसामग्रीसङ्कलनम्। • कृतकार्यसर्वेक्षणम्। • शोधपत्रस्य व्यवस्थापनं स्वरूपञ्च। • वर्तमानसन्दर्भे शोधपत्रस्य उपादेयता।	1	4	25
	MC-20	लघुशोधप्रबन्धः	1	8	200
	Total Credit 20				

*Shripathi*

सत्यापित  
VERIFIED

*Amey*

कुलसचिव / Registrar 9

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)  
Assistant Registrar (Academic)  
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय  
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University  
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016  
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

9